बुखार (1 से 6 साल के बच्चों में)

	निदान सामान्य बीमारी-स्वयं ईलाज पर मध्यम बीमारी-स्वयं ईलाजके लिये गंभीर बीमारी-डॉक्टरके पास भेजे	खांसी	नाक बहना	दस्त	उल्टी	दौरे पड़ना	खास लक्षण ह - हमेशा अ - अक्सर क - कभी कभी और दे - देर से दिखाई देंगे।
1	आम जुकाम		ह		क		नाक बहना, आँखें भरी हुई और हल्का बुखार
2	ग्रसनी शोथ या टॉन्सिल शोथ	अ	क	क	अ	क	निगलने में परेशानी, टॉन्सिल और गले में शोथ, सूखी खॉसी। पक्का कर लें कि यह डिप्थीरिया नहीं है - देखें कि गले और टॉन्सिल में धब्बे तो नहीं हैं
3	श्वसनिका शोथ	ह	क	क	क	क	सूखी खॉसी, जिसमें फिर बलगम आने लगता है। छाती कफ से भरी हुई और सांस लेने में कठिनाई
4	निमोनिया	अ	क	क	क	क	सांस की दर 60 / 50 / 40 प्रति मिनट (देखें चार्ट), ज़ोर का बुखार, छज्ञती अंदर की ओर और ग्रंट (सांस लेने में आवाज़)। ये गंभीर बीमारी के लक्षण हैं
5	फेफड़ों का तपेदिक	अ					हल्का बुखार, भूख न लगना और वृद्धि में रुकावट
6	परजीवी खॉसी	अ		क	अ		लगातार रहने वाली सूखी खॉसी, हल्का बुखार। पूछें कि टट्टी में कीड़े तो नहीं आते
7	खसरा या छोटी माता	दे	ह	क	क	क	कोपलिक धब्बे से शुरु होने वाला खसरा, पूरे शरीर पर फैलने वाले चकत्ते। छोटी माता - वायुकोशकीय चकत्ते (जिनमें द्रव भरा होता है)
8	कान का संक्रमण			क	ह	अ,दे	बड़े बच्चों में कान में दर्द। कान का पर्दा फटने से पीप निकलती है। आमतौर पर खॉसी जुकाम के बाद होता है
9	मस्तिष्क शोथ या मस्तिष्क आवरण शोथ			क	ह	क	गर्दन में अकड़न, व्यवहार या बोलने में बदलाव, भ्रम। सिर में दबाव बढ़ने से करोटी अंतराल का बाहर की ओर जाना
10	यकृत शोथ (हैपेटाईटिस)			क	ह	क	आँखों में पीलापन, ठीक से न खा पाना, पेट में हल्का दर्द, पेशाब के छाग में पीलापन
11	मोतिझरा			ह	क	क	पेट में हल्का दर्द, बुखार आमतौर पर ज़ोर का, हृदमन्दता
12	बैक्टीरिया से होने वाली पेचिश			ह	क		पेट में एंठन या दर्द, पाखाने में खून या श्लेष्मा आना
13	पेट में कीड़े होना			ह	ह		छोटे या बड़े कीड़े निकलते हैं
14	रूमेटी बुखार	क	क				जोड़ों में दर्द, एक जगह से दूसरी जगह जाने वाला। छाती में धड़कन जिसमें दिल पर भी असर हो
15	पोलियो			ह		ह	दस्त के बाद बुखार के साथ लकवा, आमतौर पर अंत:पेशिये चोट या संक्रमण के बाद होता है।
16	पीप, संक्रमण				क	क	दांत और कान समेत पूरे शरीर में पीप, संक्रमण की जांच करें

	निदान सामान्य बीमारी-स्वयं ईलाज पर मध्यम बीमारी-स्वयं ईलाजके लिये गंभीर बीमारी-डॉक्टरके पास भेजे	खांसी	नाक बहना	दस्त	उल्टी	दौरे पड़ना	खास लक्षण ह - हमेशा अ - अक्सर क - कभी कभी और दे - देर से दिखाई देंगे।
17	मलेरिया या फाइलेरिया	क		क	क	क	अनियमित बुखार, रोज़ या एक दिन छोड़ कर बढ़ता है। लसिका ग्रंथियों की जगह पर सूजन, रात को लिए गए खून के नमूने से निदान हो सकता है
18	गर्मियों में होने वाला बुखार					क	नवजात शिशुओं में आम (यानि एक साल से कम के बच्चों में), गर्मियों में
19	खून का कैंसर	अ		क	क	क	मसूड़ों में से खून, लसिका ग्रंथियों में सूजन और बार बार बीमार पड़ना